खबर नहीं, खबरों के पीछे की खबर

रेड रोज न्यूज़

दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी मासिक समाचार पत्र

वर्ष : 18 | अंक : 4 | नई दिल्ली | अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2/ रूपये | Regd. RNI No : DELHIN/2007/21149

संक्षिप्त सार

पिछड़ा वर्ग के समूहों ने दिल्ली में धरना प्रदर्शन किया शुरू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ राष्ट्रीय समिति के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग समूहों ने बुधवार को नयी दिल्ली स्थित जंतर–मंतर पर धरना प्रदर्शन शुरू किया और केंद्र सरकार से 42 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करके लागू करने की मांग की।

तेलंगाना विधानसभा ने पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित कर दिया है, जिसके तहत शिक्षा, रोजगार और राजनीति में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। पिछड़ा वर्ग समूह ने धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं सहित अन्य पार्टी दलों के नेताओं को बुलाया है। फिलहाल, धरना प्रदर्शन में तेलंगाना मंत्रियों में कोंडा सुरेखा, पूनम प्रभाकर, टीपीसीसी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी हनुमंता राव और अन्य पार्टी के नेता शामिल हुए। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, कनिमोझी के सांसद, सुप्रिया सुले और अन्य नेता इस प्रदर्शन में शामिल होकर एकजुटता व्यक्त की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और अन्य नेता भी धरना में शामिल हो सकते हैं।

लालू यादव की तबीयत अचानक बिगड़ी, जांच के लिए पहुंचे अस्पताल

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव की तबीयत बुधवार को अचानक बिगड़ गई। इसके बाद जांच के लिए उन्हें पटना के राजा बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया है। यहां चिकित्सक उनकी जांच कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, लालू यादव की तबीयत बुधवार की सुबह ही बिगड़ी थी। इसके बाद चिकित्सकों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया था, जिसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें इलाज के लिए दिल्ली ले जाने की सलाह दी। बताया जा रहा है कि लालू यादव को इलाज के लिए दिल्ली ले जाने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। सूत्रों के मुताबिक, लालू प्रसाद यादव को दिल्ली जाना था, लेकिन राबड़ी आवास से जैसे ही एयरपोर्ट के लिए निकले, उनका ब्लड प्रेशर लो हो गया और उन्हें चेकअप के लिए पटना के एक निजी अस्पताल लाया गया। उनके साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी यादव भी मौजूद हैं। लालू यादव किडनी, हृदय और डायबिटीज जैसी कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश, किरेन रिजिजू ने कहा, संसद की बिल्डिंग को भी किया गया था क्लेम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ऑनलाइन, ज्ञापन, अनुरोध और सुझाव के रूप में कुल 97,27,772 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। 284 डेलिगेशन ने कमेटी के सामने अपनी बात रखी और सुझाव दिए। सरकार ने उन सभी पर ध्यानपूर्वक विचार किया है, चाहे वे जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के माध्यम से हों या सीधे दिए गए ज्ञापन। इतिहास में पहले कभी किसी विधेयक को इतनी बड़ी संख्या में याचिकाएं नहीं मिली हैं। कई लीगल एक्सपर्ट, कम्युनिटी लीडर्स, धार्मिक लीडर्स और अन्य लोगों ने कमेटी के सामने अपने सुझाव रखे। पिछली बार जब हमने बिल पेश किया था, तब भी कई बातें बताई थी। मुझे उम्मीद ही नहीं, यकीन है कि जो इसका विरोध कर रहे थे, उनके हृदय में बदलाव होगा और वे बिल का समर्थन करेंगे। मैं मन की बात कहना चाहता हूं, किसी की बात को कोई बदगुमां न समझे कि जमीं का दर्द कभी आसमां न समझे। किरेन रिजिजू ने आगे कहा, साल 2013 में यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को ऐसा अधिकार दिया कि वक्फ बोर्ड के आदेश को किसी सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अगर यूपीए सरकार सत्ता में होती तो संसद इमारत, एयरपोर्ट समेत पता नहीं कितनी इमारतों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाता।

साल 2013 में मुझे इस बात पर बहुत आश्चर्य हुआ कि इसे कैसे जबरन पारित किया गया। 2013 में वक्फ अधिनियम में प्रावधान जोड़े जाने के बाद, दिल्ली में 1977 से एक मामला चल रहा था, जिसमें सीजीओ कॉम्प्लेक्स और संसद भवन सहित कई संपत्तियां शामिल थीं। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इन पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया था। मामला अदालत में था, लेकिन उस समय यूपीए सरकार ने सारी जमीन को डीनोटिफाई करके वक्फ बोर्ड को सौंप दिया। अगर हमने आज यह संशोधन पेश नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। उन्होंने कहा, किसी ने कहा कि ये प्रावधान गैर संवैधानिक हैं। किसी ने कहा कि गैर–कानूनी हैं। यह नया विषय नहीं है। आजादी से पहले पहली बार बिल पास किया गया था। इससे पहले वक्फ को इनवैलिडेट (अवैध करार) किया गया था। 1923 में मुसलमान वक्फ एक्ट लाया गया था। ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी का आधार देते हुए एक्ट पारित किया गया था। उन्होंने कहा, 1995 में पहली बार वक्फ ट्रिब्यूनल का प्रावधान किया गया था। इससे वक्फ बोर्ड द्वारा लिए गए किसी भी फैसले से असंतुष्ट व्यक्ति वक्फ ट्रिब्यूनल में उसे चुनौती दे सकता था। यह पहली बार था जब ऐसी व्यवस्था स्थापित की गई थी। उस समय यह भी तय किया गया था कि अगर किसी वक्फ संपत्ति से 5 लाख रुपए से ज्यादा की आय होती है, तो सरकार उसकी निगरानी के लिए एक कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करेगी। यह व्यवस्था भी 1995 में ही शुरू की गई थी। आज यह मुद्दा इतना तूल क्यों पकड़ रहा है?

विधेयक को सदन में पेश करते ही विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस ने विधेयक के खिलाफ अपनी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें विधेयक की प्रति देर से प्राप्त हुई, जिसके कारण उन्हें समीक्षा के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। कांग्रेस के नेताओं ने चर्चा के दौरान कहा कि सरकार ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को जल्दबाजी में पेश किया है और विपक्ष को इस पर चर्चा के लिए उचित अवसर नहीं दिया गया। विधेयक पेश होने के बाद सदन में हंगामे की स्थिति देखी गई, क्योंकि विपक्षी सांसदों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कांग्रेस पार्टी की ओर से चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि जेपीसी ने आवश्यक विचार–विमर्श नहीं किया। शुरू से ही सरकार का इरादा एक ऐसा कानून पेश करने का रहा है जो असंवैधानिक, अल्पसंख्यक विरोधी और राष्ट्रीय सद्भाव को बाधित करने वाला है।

कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा में हंगामा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के कला एवं संस्कृति तथा भाषा मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को आम आदमी पार्टी के विधायकों ने जमकर हंगामा किया। सदन की कार्यवाही जैसे ही अपराह्न दो बजे शुरू हुई, तो आप के विधायक मिश्रा के इस्तीफे की मांग करने लगे। इस दौरान आप के विधायक अपने हाथों में पोस्टर लिए हुए थे, जिस पर 'कपिल मिश्रा इस्तीफा दो' लिखा हुआ था।

विश्वजीत शर्मा (चेयरमैन)

रेड रोज न्यूज की तरफ से देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

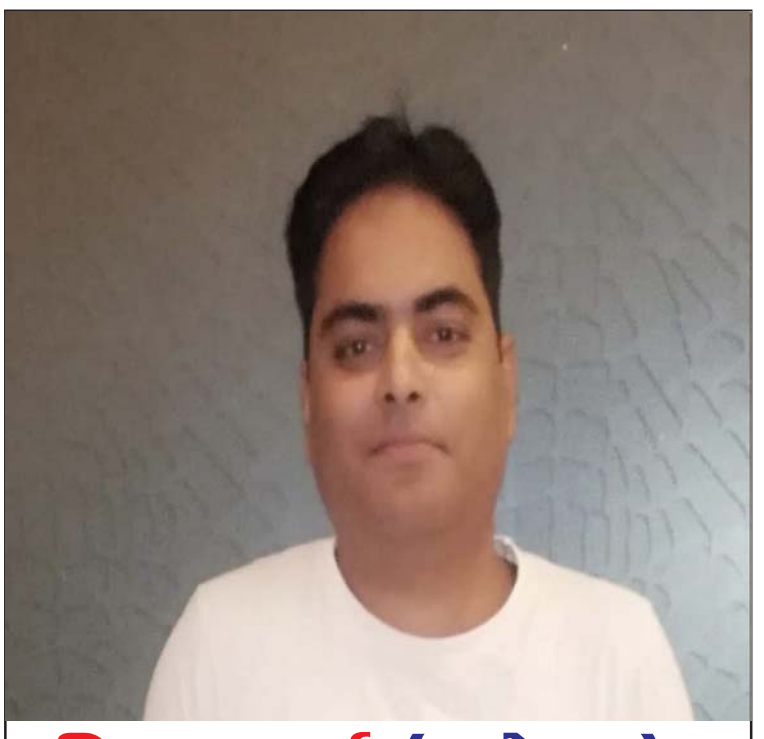

विशाल शर्मा (डाइरेक्टर)

रेड रोज न्यूज की तरफ से देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादकीय

जल-थल में प्लास्टिक

तमाम नये राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय शोध–सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध–लेख समय–समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच–पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़–पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति–नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका–जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

बांग्लादेश को खो रहा भारत

शशिकान्त पाण्डेय

अदूरदर्शिता, अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों की कच्ची समझ, बड़े व ताकतवर देशों के पिछलग्गू बनने तथा देश के बदले वैयक्तिक छवि को तरजीह देने वाली वैदेशिक नीति के चलते भारत का एक और पड़ोसी उसके प्रभाव से निकलता हुआ साफ दिख रहा है– बांग्लादेश। भारत के ज्यादातर पड़ोसी देशों के साथ भारत के अब वैसे मधुर सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो एक दशक पूर्व तक हुआ करते थे। जो मुल्क सांस्कृतिक सम्बन्धों के चलते रिश्तों में उतार–चढ़ाव के बावजूद भारत से जुड़े हुए थे, आज वे भी या तो दूर हो रहे हैं अथवा भारत के सबसे बड़े दुश्मन मुल्क चीन के प्रभाव में जा रहे हैं। चीन बहुत रणनीतिक तरीके से भारत की घेराबन्दी कर रहा है। बांग्लादेश का मामला आश्चर्य के साथ दुखद भी है क्योंकि इसका निर्माण ही भारत की मदद से हुआ था– 1971 में। आज भी वहां से आये लाखों शरणार्थी भारत के नागरिक बनकर सुरक्षित व समृद्ध जीवन जी रहे हैं। भारत सरकार को अपनी कूटनीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। मोदी की व्यक्तिगत पसंदगी, आकांक्षाओं तथा छवि चमकाने का जरिया बनाने की बजाय उसे देश हित में ढाला जाना चाहिये ताकि दक्षिण एशिया में भारत का वह सम्मान तथा प्रतिष्ठा बनी रहे जो उसने 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की बनी केन्द्र सरकार के पहले के 60 वर्षों में अर्जित की थी। शुरुआत यहां से करें कि पहली बार जब नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने सभी पड़ोसी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर सभी को चौंका दिया था। उनके इस कदम का स्वागत किया गया था और माना गया था कि वे पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं। उनके आमंत्रण को स्वीकार करते हुए दक्षेस (सार्क) देशों के सभी राष्ट्रप्रमुख आये थे। इस प्रतिसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करने तथा उसका समझदारीपूर्ण लाभ उठाने के बदले भाजपा के आईटी सेल द्वारा यह प्रचारित किया गया कि पहली बार भारत की ताकत को विदेशी स्तर पर स्वीकारा जा रहा है और इसका कारण मोदी हैं। तत्पश्चात भारत लगातार अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति से हटता चला गया जिसमें व्यक्ति से बड़ा देश को मानने, सामूहिकता तथा छोटे–बड़े सभी देशों की सम्प्रभुता के सम्मान का भाव था। साथ ही, मोदी ने अपनी ऊर्जा बड़े देशों के पीछे भागने में लगायी। सर्वाधिक देशों का दौरा करने वाले वे पहले पीएम तो बने लेकिन ज्यादातर में उनकी उपस्थिति फोटो सेशन में प्रमुख जगह पर खड़े होने की रही। उनके समर्थक इसी बात में खुश होते रहे कि उनके मोदीजी को तस्वीर लेते समय महत्वपूर्ण स्थान पर खड़ा किया गया है। कूटनीतिक सम्बन्धों को मोदी ने संकीर्ण नजरिये से देखा– एक तो खुद को विश्वगुरु साबित करना और दूसरे, अपने मित्र कारोबारियों को व्यवसाय दिलाना। श्रीलंका की संसद में उनके द्वारा गौतम अदानी को दिलाये गये बिजली संयंत्र के ठेके तथा फ्रांस में राफेल लड़ाकू जहाजों के सौदे में अनिल अंबानी को शामिल करने से उनके साथ देश की छवि खराब हुई। जिन भी बड़े देशों से उनके मित्रों को व्यवसायिक लाभ मिलना सम्भव है, मोदी को उनमें जाने में कोई गुरेज नहीं रहा, फिर कोई काम हो या न हो। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लगभग सवा सौ देशों को मिलाकर तटस्थ देशों का जो समूह बनाया था, वही भारत की असली ताकत थी। मोदी ने खुद को बलशाली साबित करने तथा नेहरू से अपनी अदावत को भुनाने के लिये गुटनिरपेक्ष आंदोलन को एक तरह से खत्म कर दिया। संगठन को, जिसमें 60 फीसदी देश थे, उसके बन्धुत्व भाव तथा मानवीय रूप के लिये जाना जाता था। इसकी बजाये मोदी की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में न अपने ही देश के लोगों को अमेरिका द्वारा हथकड़ी–बेड़ियों में लाये जाने का विरोध करने का साहस है, न ही इजरायल द्वारा गजा में किये जा रहे नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाने का माद्दा। अफगानिस्तान, म्यांमार, नेपाल में होते घटनाक्रमों पर भी भारत सरकार मौन रहती है जबकि वह पहले खुलकर अपना पक्ष रखा करती थी। भारत की अपनी छवि अब एक उदार व संवेदनशील देश के बदले घोर साम्प्रदायिक राष्ट्र की हो चुकी है। यहां सरकार साम्प्रदायिकता का नेतृत्व भी करती है। पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यकों के कथित जुल्म पर शोर–शराबा करने वाली सत्तारुढ़ पार्टी के समर्थक अपने यहां के अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने के आरोपियों के रूप में दुनिया भर में जाने जाते हैं। इसके खिलाफ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाजें उठ चुकी हैं। सरकार की इस राष्ट्रीय नीति की छाया अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों पर पड़ी है। मोदी सरकार एवं उनकी पार्टी ने देश में मुस्लिम देशों, खासकर पड़ोस के पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश के खिलाफ घृणा का माहौल बनाया है। यही कारण है कि दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने पद के शपथ ग्रहण समारोह में, जिनके लिये मोदी ने कभी अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा दिया था, उन्हें न बुलाकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बुलाया था। अब उसी चीन को पड़ोसी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार युनुस मोहम्मद हाल के अपने चार दिवसीय दौरे में सुझाव दे रहे हैं कि भारत के 7 पूर्वोत्तर राज्य (जो सेवन सिस्टर्स कहलाते हैं) समुद्र से दूर यानी लैंड लॉक्ड हैं।

बांग्लादेश से चीन उनकी घेराबन्दी कर सकता है। उल्लेखनीय है कि चीन की इस सम्पूर्ण पूर्वोत्तरी हिस्से पर लम्बे अर्से से नजर है और इनमें से कई राज्यों पर तो वह अपना अधिकार मानता रहा है। बांग्लादेश यदि चीन को इन प्रदेशों में विस्तार करने के लिये मदद देने को तैयार है तो यह भारतीय विदेश नीति की बड़ी असफलता है।

आसान नहीं है डगर तीसरे टर्म की

राजेंद्र शर्मा

बेशक, लोकसभा चुनाव में लगे धक्के से, जिसमें चार सौ पार के नारों से भाजपा, साधारण बहुमत से काफी नीचे, सिर्फ दो सौ चालीस सीटों पर आ टिकी थी, उसके बाद हुए विधानसभाई चुनावों में जीत जुगाड़ने के जरिए, भाजपा कम से कम मानसिक रूप से काफी हद तक उबरने में कामयाब रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से हुए प्रमुख विधानसभाई चुनावों में दिल्ली से पहले तक भाजपा, वैसे तो हरियाणा तथा महाराष्ट्र की दो विधानसभाओं में ही जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी, जबकि झारखंड तथा जम्मू–कश्मीर में अपनी सारी कोशिशों के बावजूद उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बावजूद, इन दो जीतों के सहारे ही भाजपा ने, जिसे अपने मनमुताबिक आख्यान गढ़ने तथा मीडिया पर अपने नियंत्रण के जरिए उसे चलाने में खास महारत हासिल है, सफलता के साथ यह माहौल बना दिया था कि लोकसभा चुनाव तो एक विचलन था और आमतौर पर जनता फिर से भाजपा के पीछे गोलबंद हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद से, यह छवि और भी मजबूत हुई है कि मोदी के नेतृत्व में संघ–भाजपा जोड़ी ही चुनावी अजेयता फिर से लौट आई है और यहां से आगे मोदी राज की जीत ही जीत है। सिर्फ चुनावी जीत ही नहीं, आम तौर पर राजनीतिक जीत भी। उनके इसी भरोसे की अभिव्यक्ति, मोदी राज के तेजी से ऐसे कदमों के रास्ते पर बढ़ने में होती है, जो सबसे बढ़कर आरएसएस के बहुसंख्यकों के अपने पक्ष में सुदृढ़ीकरण और बढ़ते हिंदू–मुस्लिम ध्रुवीकरण के एजेंडे की ओर ले जाते हैं। बेशक, यह किन्हीं खास कदमों का या आरएसएस द्वारा उठायी गयी खास मांगों तक ही सीमित सवाल नहीं है। मोदी राज के तीसरे कार्यकाल के करीब ग्यारह महीनों में खासतौर पर भाजपायी राज्य सरकारों के सहारे, हर साधारण से साधारण मुद्दे का सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार में तब्दील किया जाना, इस देश ने देखा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संभल को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए एक और अयोध्या में तब्दील किया जाना भी शामिल है। इसमें महाकुंभ का ही नहीं, होली–ईद आदि सब का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायीकरण भी शामिल है और भाजपा–शासित राज्यों में खासतौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ खुल्लमखुल्ला भेदभाव भी। जाहिर है कि आरएसएस के पुराने एजेंडे के अनुरूप, समान नागरिक संहिता का उत्तराखंड से शुरू कर, आगे बढ़ाया जाना भी इसमें शामिल है। इसी के हिस्से के तौर पर, संघ–भाजपा ने वक्फ संशोधन विधेयक का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक हथियार गढ़ा और आगे कर दिया। बहरहाल, तभी इस मुद्दे पर वर्तमान मोदी सरकार के समर्थन की सीमाएं सामने आ गईं। जहां लोकसभा में इस विधेयक के पेश किए जाने के बाद, उसे न सिर्फ धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों के मुखर विरोध का सामना करना पड़ा, वहीं खुद सत्ताधारी एनडीए में शामिल तेलुगू देशम तथा जनता दल–यूनाइटेड जैसी पार्टियों के प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष विरोध का भी सामना करना पड़ाय ये पार्टियां संघ–भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का ज्यों का त्यों अनुमोदन करने में असुविधा महसूस कर रही थीं। इसी का नतीजा था कि एक दुर्लभ पैंतरा अपनाते हुए, मोदी राज को इस विधेयक का संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा जाना स्वीकार करना पड़ा, ताकि इस पर विभिन्न पक्षों की और विस्तार से राय ली जा सके। यह एक प्रकार से इस विधेयक के ठंडे बस्ते में डाले जाने का ही पैंतरा था और उसे आम तौर पर उसी रूप में देखा जा रहा था। लेकिन, संभवतः इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ–भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वक्फ संशोधन विधेयक के पुनर्जीवित किए जाने की सुगबुगाहट होने के बाद से, धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पाष्टयों ने और भी दृढ़ता तथा स्पष्टङ्कता के साथ इसके खिलाफ आवाज तो उठायी ही है, इसके खिलाफ खुद मुस्लिम समुदाय भी एक स्वर से विरोध करने के लिए उठ खड़ा हुआ है। यहां तक कि इस बार रमजान–ईद के मौके पर, करोड़ों मुसलमानों ने काली पट्टिङ्कयां बांधकर, इसके खिलाफ शांतिपूर्ण किंतु विराट सार्वजनिक प्रदर्शन किए हैं। इस सब का नतीजा यह हुआ कि एनडीए में भाजपा के, खुद को धर्मनिरपेक्ष दिखाने वाले सहयोगियों को संघ–भाजपा को परोक्ष रूप से यह संदेश देना पड़ा है कि इस मामले में उनके समर्थन को जेब में मानकर नहीं चला जाना चाहिए। जहां बिहार में, एक प्रमुख मुस्लिम मंच ने, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी के बहिष्कार की घोषणा कर, उस राज्य में नीतीश कुमार पर दबाव बढ़ा दिया, जहां अगले छरू महीने के अंदर–अंदर चुनाव होने जा रहे हैं। इस दबाव से निपटने के लिए नीतीश कुमार ने किस तरह, संबंधित मुस्लिम मंच के खिलाफ दमनकारी कार्रवाई और मुसलमानों के प्रति अपनी वफादारी के आम प्रदर्शन के दुहरे हथियार आजमाए हैं, इसकी चर्चा हम किसी और मौके पर करेंगे। यहां इतना कहना ही काफी है कि इस पूरे घटनाक्रम ने नीतीश कुमार को मुसलमानों के बीच अपनी छवि को, संघ–भाजपा से अलगाने के प्रति सचेत कर दिया है। उधर चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में आयोजित एक इफ्तारी के मंच का उपयोग, मुसलमानों को इसका भरोसा दिलाने के लिए किया कि, उनकी सरकार मुसलमानों के हितों की रक्षा करने की अपनी वचनबद्धता पर कायम है और रहेगी। वक्फ विधेयक विवाद की पृष्ठङ्कभूमि में उन्होंने खासतौर पर जोर देकर कहा कि मुसलमानों की जमीनों, परिसंपत्तियों पर किसी को भी बुरी नजर डालने इजाजत नहीं दी जाएगी।

फिल्म 'अजेय द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' का गीत 'है तैयार' आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स को समर्पित किया गया

लखनऊ (संवाददाता)। सम्राट सिनेमैटिक्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मिलकर अपनी आगामी फिल्म 'अजेय द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' के जोश से भरपूर गीत "है तैयार" को 'आईपीएल 2025' सीजन को समर्पित किया है। यह गीत, लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में गूंजेगा, जिससे खिलाड़ियों और प्रशंसकों में जोश भरा जाएगा। प्रसिद्ध संगीतकार 'मीट ब्रदर्स' द्वारा रचित और गायक 'सोनू निगम' की आवाज से सजे गीत 'हैं तैयार" को आधिकारिक रूप से लखनऊ में लॉन्च किया गया। इस मौके पर एलएसजी के स्टार खिलाड़ी 'शार्दुल ठाकुर और रवि बिश्नोई, एलएसजी के सीईओ विनय चोपड़ा, सम्राट सिनेमैटिक्स की निर्माता ऋतु मेंगी, और फिल्म के मुख्य कलाकार अनंत जोशी, दिनेश लाल यादव (निरहुआ) और अजय मेंगी मौजूद थे। इस अवसर पर फिल्म निर्माता ऋतु मेंगी ने कहा कि एलएसजी ने आईपीएल 2025 में एक शानदार शुरुआत की है। हमें विश्वास है कि फिल्म अजेय द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी का गीत 'है तैयार' उनकी सफलता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा और पूरे टूर्नामेंट में उनके जुझारूपन को मजबूत करेगा। अभिनेता अनंत जोशी ने कहा कि यह गाना फिल्म की आत्मा और मुख्य किरदार की अटूट भावना को दर्शाता है। जिस तरह उसने धैर्य के साथ चुनौतियों को पार किया, उसी तरह एलएसजी इस आईपीएल सीजन में मैदान पर वही ऊर्जा दिखाएगी। फिल्म अभिनेता और गायक दिनेश लाल यादव (निरहुआ) ने कहा कि क्रिकेट और सिनेमा, दोनों की ताकत लोगों को एकजुट करने में निहित है। 'है तैयार' न केवल एलएसजी टीम का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि करोड़ों प्रशंसकों को भी प्रेरित करेगा। एलएसजी के स्टार गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने गीत की सराहना करते हुए कहा कि "'है तैयार' गीत एक जोशीला गीत है, जो अटूट साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है। यह लखनऊ सुपर जायंट्स की भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंनेकहा कि 'है तैयार" के जोशीले संगीत और प्रेरणादायक बोल एकाना क्रिकेट स्टेडियम में गूंजेंगे, जिससे स्टेडियम में एकजुटता और दृढ़ संकल्प का माहौल बनेगा, जबकि एलएसजी आईपीएल 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखेगा। ऋतु मेंगी ने बताया कि सम्राट सिनेमैटिक्स द्वारा निर्मित अजेय द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी का निर्देशन महारानी 2 फेम रविंद्र गौतम ने किया है और इसका निर्माण उन्होंने स्वयं किया है। यह फिल्म शांतनु गुप्ता की बेस्टसेलिंग किताब द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर से प्रेरित है। इस फिल्म में परेश रावल, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, सरवर आहूजा और गरिमा विक्रांत सिंह जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म 2025 में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में विश्वभर में रिलीज की जाएगी, जिससे योगी आदित्यनाथ की प्रेरणादायक यात्रा को एक व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। प्रशंसकों ने योगी आदित्यनाथ के प्रेरणादायक जीवन के सशक्त चित्रण की सराहना की है, जिससे फिल्म के प्रति उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है।

आम आदमी पार्टी यूपी के प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची जारी

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में प्रवक्ताओं की घोषणा की है। आप ने 10 प्रवक्ताओं की सूची जारी की है।आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के संगठन विस्तार को लेकर प्रदेश प्रभारी एवं सांसद संजय सिंह की स्वीकृति से मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रदेश प्रवक्ताओं की नियुक्ति की प्रथम सूची जारी की। जिसमें फैसल खान लाला, मुकेश सिंह, विकास शर्मा, रमन सिंह, तरुणीमा श्रीवास्तव, संजीव निगम, प्रखर श्रीवास्तव, मोहम्मद तकी, अंकुश चौधरी और प्रशांत कुमार यादव को प्रवक्ता बनाया है। मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि यह सभी नव–नियुक्त प्रदेश प्रवक्ता संगठन को मजबूती देने के साथ–साथ आम आदमी पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में जनता के मुद्दों को पूरी शक्ति के साथ उठाने और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज करेंगे।

जीवन गुप्ता ने पिंगलवाड़े जाकर मरीजों की सेवा की

पटियालाः समाज सेवक पुनीत गुप्ता के पिता जीवन गुप्ता ने पिंगलवाड़े में जाकर मरीजों के साथ अपना जन्म दिन मनाया। इस मौके पिंगलवाड़े के प्रमुख बाबा बलबीर सिंह ने भी उनको बधाई दी। यहां यह वर्णनीय है की पुनीत गुप्ता और उन के पिता जीवन लाल गुप्ता की तरफ से समाज सेवा के क्षेत्र में अहम काम किया जाता है। इसमें पिंगलवाड़े के मरीजों के अलावा सरकारी राजिंदरा अस्पताल में जरूरतमंद मरीजों, थैलासीमिया पीड़ित बच्चों की मदद करने के अलावा वातावरण के क्षेत्र में और सड़क हादसों को रोकने के लिए रिफैक्लटर आदि लगाते हैं। इस मौके जीवन गुप्ता और पुनीत गुप्ता ने कहा की सभी के साथ खुशी बांट कर दुगनी होती है और हमें सभी को चाहिए कि हम अपनी कमाई का कुछ हिस्सा निकाल कर जरूरतमन्दों की सेवा में लगाएं।

डॉक्टर पति कर रहा शारीरिक शोषण, एफआईआर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर थाने में एक महिला ने डॉक्टर पति के खिलाफ अप्राकृतिक यौन संबध बनाने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मुकदमा लिखाया है। उसका कहना है कि इसमें उसकी मां और बहने भी साथ देती थी। इतना ही नहीं आरोपी पति उसको अमेरिका ले जाकर बंधक बनाकर गलत काम करता रहा। विरोध पर देश लाने के दौरान दिल्ली और लखनऊ की होटल में भी गलत काम किया। पुलिस पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।मूलरुप से गोंडा निवासी महिला ने बताया कि दिसंबर 2023 में उसकी शादी सुल्तानपुर में रहने वाले एक डॉक्टर से हुई थी। पीड़िता का कहना है कि शादी के पहले उसके पति को अमेरिका की वेन स्टेट यूनिवर्सिटी में रिसर्चर के पद पर काम करना बताया गया था। वहीं उसकी मां को ब्लाक में द्वितीय श्रेणी अधिकारी बताकर शादी तय की गई थी। परिजनों ने हैसियत के हिसीब से दहेज दिया और लखनऊ चिनहट स्थित एक लॉन से शादी की। शादी के बाद से ही स्कार्पियो की मांग करने लगे। न दे पाने पर मारपीट करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि परिजनों के जल्द ही स्कार्पियो की मांग पूरी करने की बात पर डाक्टर पति अमेरिका ले गया। जहां बंधक बनाकर मारपीट करता और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाता। परिजनों और पुलिस से शिकायत की धमकी देने पर मई 2024 को देश लाया। लौटते वक्त दिल्ली के होटल, लखनऊ में चारबाग की एक होटल और गोमतीनगर स्थित होटल में भी गलत काम किया। पति की हरकतें कम न होने पर और लगातार प्रताड़ित करने की बात घर वालों को बताई। जिसके बाद गोमतीनगर थाने में मामला दर्ज कराया। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर पति, सास, ससुर और ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

एलडीए के रजिस्ट्री कैम्प में जुटी भीड़, 592 आवंटियों ने किया आवेदन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए गए कैम्प में 592 आवंटियों ने रजिस्ट्री के लिए आवेदन किया है। अफसरों की निगरानी में लोगों की रजिस्ट्री हुई। इस मौके पर पहले दिन एलडीए के दफ्तर में भारी भीड़ लगी रही। इस दौरान व्हीलचेयर नहीं मिलने से एक बुजुर्ग महिला परेशान होकर के रोने लगी। सूचना पर पहुंचे अफसरों ने महिला को व्हीलचेयर दिलवाई। दरअसल एलडीए की अलग अलग योजनाओं में कई आवंटियों ने पैसा जमा करने के बाद भी अपनी रजिस्ट्री नहीं करवाई थी।

समीर अरोडा
(ब्यरो चीफ दिल्ली)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

जफर खान
(रिपोर्टर मैनपुरी उ0प्र0)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

यह बिल झगड़े का रास्ता खोलने वाला है दो धर्म के बीच लड़ाई कराने वाला है : लोकदल

लखनऊ (संवाददाता)। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह जी ने वक्फ बिल को लाएं जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि केंद्र सरकार वक्फ बिल के जरिए वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर उद्योगपतियों और रियल स्टेट कारोबारी को लाभ पहुंचाने का काम करेगी। सिंह ने आरोप लगाया है कि अगर बीजेपी यह बिल मुसलमान के हक के लिए ला रही है तो मुसलमान क्या चाहते हैं यह मुसलमान से पूछ लेना चाहिए?बीजेपी को बिना मांगे किसान और मुसलमान के फिक्र हो रही है, जो सरकार सड़कों पर मुसलमान को नमाज पढ़ने नहीं दिया हो वह सरकार मुसलमान के हितों के लिए वक्फ बिल को लाकर उनके हितैषी कैसे हो सकते हैं? चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार और चिराग पासवान को मुसलमान भाइयों को जवाब देना होगा।बीजेपी सिर्फ मुसलमान के लिए ही कानून बनाने का काम कर रही है उन्हें हिंदुओं की भी फिक्र करने की जरूरत है, पारदर्शिता को ताख पर रखकर सरकार इस तरीके के वक्फ बिल को लेकर आ रही है। इस बिल में वक्फ की प्रॉपर्टी सरकार अपने कब्जे में लेना चाहती है यह बिल देश में अमन – शांति को बिगाड़ने वाला है यह बिल झगड़ा करने के उद्देश्य से लाया जा रहा है गांव और शहर में लड़ाई करने का काम करने वाला होगा। सिंह ने आरोप लगाया है कि यदि यह कानून बनता है तो वक्फ की संपत्तियां कम हो जाएगी।

महिलाओं का चैन लुटा: एक दिन में सात चेन और दो पर्स पार, दो महिलाएं गिरफ्तार, बोलीं- गैंग में हैं छह लोग

कानपुर (संवाददाता)। कानपुर में पांच मार्च को पनकी मंदिर में दर्शन करने गई महिला से हुई चोरी में पुलिस की लचर कार्यशैली से चोरों के हौसले बढ़ गए। मंगलवार को एक ही दिन में चोरों ने मंदिर में दर्शन करने गईं पार्षद की मां समेत नौ महिलाओं की चेन और पर्स पार कर दी। पीड़ित महिलाओं ने पनकी मंदिर चौकी के बाहर जमकर हंगामा काटा। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से दो शातिर महिलाओं को पकड़ा है।

उनके पास से चोरी की दो चेन भी बरामद हुई हैं। पुलिस गैंग के चार अन्य महिलाओं की तलाश में जुटी है। पनकी के सराय चौराहा निवासी ज्योति पासवान वार्ड 19 बारा सिरोही से पार्षद हैं। ज्योति ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला एक परिवार पनकी मंदिर में मुंडन संस्कार करा रहा था। मां नैना देवी भी उसमें शामिल होने मंदिर गई थी। मंदिर के अंदर लंबी लाइन लगी हुई थी।

महिलाओं की चेन और पर्स किए पार

मां भी उसी लाइन में लग गईं। इस बीच शातिरों ने मां के गले से चेन पार कर दी। ऐसे ही चोरों ने कल्याणपुर निवासी सरोज द्विवेदी, विजयनगर निवासी स्मिता चौरसिया, बर्रा छह निवासी ज्ञाना

देवी, आईआईटी सोसाइटी निवासी गुलैसी देवी, गुजैनी निवासी मीना देवी और बिठूर के सिंहपुर की रहने वाली रामकांती के गले से चेन चोरी कर ली। इसके अलावा चोरों ने बिल्हौर के उत्तरीपुरा निवासी नैंसी व आवास विकास तीन निवासी विभा देवी का पर्स भी पार कर दिया।

शातिर फरार हो गए, पुलिस मूकदर्शक बनी रही

भीड़ के चलते पीड़िताओं को घटना का पता बाद में चला। ताबड़तोड़ एक के बाद एक हुई चोरियों से नाराज महिलाओं ने मंदिर प्रबंधन के साथ पुलिस चौकी में सूचना दी। पुलिस से सही प्रतिक्रिया न मिलने पर महिलाओं ने जमकर हंगामा काटा। महिलाओं का आरोप था कि मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में 18 पुलिस कर्मी लगाए गए हैं। इसके बाद भी शातिर उनके गले से चेन और हाथ में टंगे पर्स गायब कर फरार हो गए और पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

पिछली घटना का अभी तक खुलासा नहीं

पांच मार्च को चोरों ने पनकी मंदिर दर्शन करने गई गुजैनी निवासी रिटायर्ड प्रवक्ता रमाशंकर शुक्ला की पत्नी मनोरमा शुक्ला की चेन पार कर दी थी। पहले तो पुलिस ने चोरी से इन्कार किया। मामला अधिकारियों तक पहुंचा तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शातिर की तलाश शुरू की। हालांकि महीने बाद भी पुलिस शातिर तक नहीं पहुंच पाई थी।

मंदिर के सेवादार बोले

ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं। हर मंगलवार को दर्शन करने आए श्रद्धालुओं की अक्सर चेन व पर्स चोरी हो जाती है। वहीं, मंदिर परिसर में तैनात पुलिस कर्मी मूकदर्शक बने रहते हैं।

बाहर के सीसीटीवी खराब, अंदर के धुंधले

गर्भगृह में ज्यादातर कैमरे खराब पड़े हैं। जो चल रहे हैं, उनकी रिकॉर्डिंग समझ में नहीं आती। वहीं, मंदिर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे भी खराब पड़े हैं।

अब तक दो महिलाओं के साथ चेन चोरी की बात सामने आई है। मामले में रिपोर्ट भी दर्ज कर ली गई है। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से दो शातिर महिलाओं को पकड़ा गया है। उनके पास से चोरी की चेन भी बरामद हुई है। गैंग में कुल छह सदस्यों के होने की बात दोनों ने कबूली है। अन्य की तलाश की जा रही है। सभी महिलाएं आपस में रिश्तेदार हैं। —आरती सिंह, डीसीपी पश्चिम

पेंशन लेने आई बुजुर्ग महिला को ट्रक ने कुचला, इलाज के दौरान मौत

उन्नाव (संवाददाता)। बांगरमऊ में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान आसत मोहीउद्दीन के मजरा खग्गा खेड़ा निवासी लीलावती के रूप में हुई है। लीलावती मंगलवार को वृद्धावस्था पेंशन निकालने बांगरमऊ आई थी। शाम को जब वह लखनऊ मार्ग चौराहे के पास सड़क पार कर रही थी, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में उनके दोनों पैर टूट गए। घायल महिला को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजन उन्हें जिला अस्पताल से हैलट अस्पताल कानपुर ले जा रहे थे। रास्ते में गंगा बैराज के पास मंगलवार की देर रात घायल वृद्धा ने दम तोड़ दिया। कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम कराया।

बेटी की शादी से 10 दिन पहले पिता की मौत, घर में चल रही थीं तैयारियां

उन्नाव (संवाददाता)। पुरवा कोतवाली क्षेत्र में एक सरकारी कर्मचारी की मौत ने परिवार को झकझोर दिया है। भाडदिन गांव के रहने वाले फोर्थ क्लास कर्मचारी गिन्नी लाल (51) की बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। गिन्नी लाल को अचानक सांस फूलने लगी। परिजन उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। परिवार के लिए यह दुख और भी बड़ा इसलिए है क्योंकि 13 अप्रैल को उनकी बेटी की शादी होनी थी। शादी की तैयारियां चल रही थीं। अब घर में खुशियों की जगह मातम छा गया है। गिन्नी लाल के परिवार में तीन बेटे और चार बेटियां हैं। परिजनों का कहना है कि उन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं थी। इसलिए उन्होंने मौत को संदिग्ध मानते हुए पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। गांव में शोक की लहर है। जहां शादी के गीत गूंजने थे, वहां अब सन्नाटा पसरा है।

बीमारियों का प्रकोप, डायरिया–बुखार के केस दोगुने

उन्नाव (संवाददाता)। जिले में मौसम परिवर्तन के साथ बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। तेज गर्मी और उमस के कारण डायरिया, बुखार और वायरल संक्रमण के मरीज बढ़ रहे हैं। जिला अस्पताल में रोजाना 800 से 1000 मरीज पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में डायरिया और वायरल बुखार के मामले दोगुने हो गए हैं। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। तेज गर्मी और दूषित पानी के सेवन से डायरिया के मामले बढ़े हैं। तापमान में उतार–चढ़ाव से वायरल बुखार और सर्दी–जुकाम के मरीज भी बढ़े हैं। जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कौशलेंद्र ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अधिक पानी पीएं और बाहर का खाना न खाएं।

चैत्र नवरात्र: 10 हजार बाइकें-स्कूटी, तीन हजार कारें बुक, एसयूवी कार और पावर बाइक्स बनीं शहरियों की पहली पसंद

कानपुर (संवाददाता)। शारदीय नवरात्र और धनतेरस पर गुलजार रहने वाला ऑटोमोबाइल बाजार इस बार चैत्र नवरात्र पर भी चमक रहा है। चैत्र नवरात्र पर शहर में ही 10 हजार बाइकें–स्कूटी और तीन हजार के करीब कारें बुक हुई हैं। लोगों ने डिलीवरी भी लेनी शुरू कर दी है। अलग–अलग कंपनियों की एसयूवी कारें और पावर बाइकें शहरियों की पहली पसंद बनी हैं। 25 लाख वाली बाइक आर्डर मिलने पर बुक की जा रही है।

पिछले साल शारदीय नवरात्र, धनतेरस पर 10 हजार से ज्यादा बाइकें और चार हजार से ज्यादा कारें बिकी थीं। जानकारों का कहना है कि वित्तीय वर्ष शुरू हो गया है। सहालग भी शुरू होने वाली है। लोग अपनी जरूरतों के मुताबिक वाहन चैत्र नवरात्र में भी खरीद रहे हैं। ईद पड़ने से दोपहिया वाहनों की बंपर बुकिंग देखने को मिली है। शहर में दो पहिया के छोटे–बड़े 100 के करीब और चार पहिया वाहनों के 30 से ज्यादा

शोरूम हैं।

विदेशी इलेक्ट्रिक कारों की भी मांग

इस नवरात्र पर महंगी और लग्जरी कारों के साथ ही स्पोर्ट्स और पावर बाइकों की बहुत अच्छी मांग है। युवाओं में इन बाइकों का खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। 12–25 लाख वाली एसयूवी सबसे ज्यादा ग्राहकों की पसंद आई है। विदेशी इलेक्ट्रिक कारों की भी मांग देखने को मिल रही है। दोपहिया वाहन में 125 सीसी के अलावा हर सेगमेंट की गाड़ियां बुक हो रही हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटी की भी मांग दिख रही है। ब्लूटूथ, जीपीएस फीचर वाली बाइकों–स्कूटी की मांग बढ़ती जा रही है। अकेले एक शोरूम में 500 से ज्यादा स्कूटी और बाइकों की बुकिंग नवरात्र पर हुई है।

चैत्र नवरात्र के लिए ग्राहकों में खास उत्साह है। दस हजार के करीब स्कूटी और बाइकों की बुकिंग हैं। पिछले साल शारदीय नवरात्र और धनतेरस को मिलाकर 10 हजार से ज्यादा दो पहिया और पांच हजार के करीब कारों की बिक्री की गई थी। बाइकों का बहुत अच्छा क्रेज है। स्कूटी की भी अच्छी बुकिंग है। —जेएस अरोड़ा, पूर्व अध्यक्ष, कानपुर आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन

विदेशी कारों के साथ ही लग्जरी और महंगी कारें ग्राहक डिमांड कर रहे हैं। चैत्र नवरात्र के लिए इनकी बहुत अच्छी बुकिंग हैं। युवा स्पोर्ट्स और पावर बाइकों को पसंद कर रहे हैं। एसयूवी इस बार भी लोगों की पसंद बनी हुई है। टॉप मॉडलों की ही मांग है। इलेक्ट्रिक कारों की मांग भी अच्छी है। दो हजार से ज्यादा कारें बुक हुई हैं। ईद का भी बाजार पर असर है। सहालग के लिए भी लोग अभी से बुकिंग करा रहे हैं। —सुमन कपूर, सीईओ, टाटा मोटर्स

हाय, मेरे लाल ये क्या हो गया: शव से लिपट कर बोले परिजन- हमने तो कभी पढ़ाई का कभी दबाव भी नहीं बनाया, ये भी कहा

कानपुर (संवाददाता)। क्या बताऊं क्या हो गया, मैंने तो बेटों पर कभी पढ़ाई का दबाव ही नहीं डाला। इसने इंजीनियर बनना चाहा तो बस तैयारी के लिए कोटा भेज दिया। मुझे क्या मालूम था कि ऐसा दिन भी देखना पड़ेगा। ये पीड़ा हैं कोटा के राजीवगांधीनगर में ट्रेन से कटकर जान देने वाले छात्र उज्ज्वल (18) के पनकी ई–ब्लॉक निवासी कृषि वैज्ञानिक पिता दीपक मिश्रा की।

परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ के बीच बेटे के शव के पास बैठे उनके आंसू थम नहीं रहे थे। कोई दिलासा देने उनके पास आता, तो आसुओं के साथ उनका दर्द भी झलक पड़ता। मूलरूप से मऊ के ताजोपुर गांव के रहने वाले दीपक मिश्रा वर्तमान में

रायबरेली के कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यरत हैं। रविवार को बेटे उज्ज्वल (18) ने कोटा में मुंबई–दिल्ली ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी।

लखनऊ में जेईई मेंस की परीक्षा देनी थी

वह पिछले दो साल से वहां रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दो अप्रैल को उसे लखनऊ में जेईई मेंस की परीक्षा देनी थी। सोमवार को उन्हें बेटे को लेने जाना था, लेकिन इससे पहले उसकी आत्महत्या की सूचना मिल गई। सोमवार को वह कोटा गए और शव को लेकर मंगलवार रात घर पनकी लौटे। बेटे के शव को देखकर मां की मनोदशा तो और खराब थी।

हाय, मेरे लाल ये क्या हो गया

उज्जवल की मां बार–बार हाय मेरे लाल को उठाओ कहकर चीखती रहीं। बड़े भाई का शव देखकर बिलख रहे छोटे भाई उत्तकल को बुआ और रिश्ते की बहनें चुप कराती रहीं। हालांकि उसकी सिसकियां कम नहीं हो रहीं थीं। पड़ोस में घरों के दरवाजे पर खड़ीं महिलाएं भी सिसकियां भरती रहीं। वहीं, पुरुषों की आंखें भी नम दिखाई दी।

डीएम ने कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं निर्माणाधीन विधि प्रयोगशाला का किया आकस्मिक निरीक्षण

बस्ती (संवाददाता)। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय, बनकटी एवं विकास खण्ड सदर बस्ती के चिलवनिया में निर्माणाधीन विधि प्रयोगशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय, बनकटी के कक्षाओं, रसोई एवं शयन स्थल सहित पूरे परिसर तथा उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया। विद्यालय के समस्त अध्यापिका व कर्मचारीगण उपस्थित पाये गये।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि विद्यालय में सीसी टीवी कैमरे लगे है। कक्षा–8, 7 व 6 की छात्राओं से गणित व अंग्रेजी के प्रश्न पूछे गये। छात्राओं द्वारा गणित विषय के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया एवं अंग्रेजी के प्रश्न का उत्तर संतोषजनक नहीं था। शिक्षिकाओं एवं छात्राओं से संवाद किया गया। मध्यान्ह भोजन में दाल, चावल, सब्जी, रोटी बनी थी। दाल को चख कर देखा गया, गुणवत्ता अच्छी थी। शयनकक्ष, शौचालय की सफाई व्यवस्था सामान्य पायी गयी।

उन्होंने प्रधानाध्यापिका को निर्देशित किया गया कि छात्रों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दिया जाय। विद्यालय में शयन कक्ष आदि के मरम्मत हेतु आर०ई०डी० विभाग को धन आवंटित है। अधिशासी अभियन्ता आर०ई०डी०, बस्ती के दूरभाष पर वार्ता करने पर बताया गया कि मरम्मत कार्य एक माह में पूर्ण कर लिया जायेगा।

विद्यालय परिसर में 100 छात्राओं के छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण है। छात्रावास का निर्माण उ०प्र० राज्य निर्माण सहकारी संघ लि०, बस्ती द्वारा कराया गया है। अच्छा बना हुआ है। छात्रावास के सामने कम्प्यूटर लैब का निर्माण किया जा रहा है जो प्रगति पर है। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करवायें।

विकास खण्ड सदर बस्ती के चिलवनिया में निर्माणाधीन विधि प्रयोगशाला के निरीक्षण उन्होंने पाया कि उक्त प्रयोगशाला का निर्माण कार्य दिनाँक 21 अगस्त 2023 से प्रारम्भ है एवं दिनाँक 20 फरवरी 2025 तक पूर्ण किया जाना था। निरीक्षण के समय कार्य स्थल पूरा खाली पाया गया। एक भी व्यक्ति कार्य स्थल पर कार्य करते नहीं पाये गये। कार्यदायी संस्था से कोई व्यक्ति नहीं था और न ही ठेकेदार का ही कोई व्यक्ति मिला। इस स्थिति पर उन्होंने कार्यदायी संस्था से स्पष्टीकरण माँगा है। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था निर्माण खण्ड (भवन) लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा करवाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र का नगर भ्रमण और आभार कार्यक्रम संपन्न

बस्ती (संवाददाता)। नव नियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के विधानसभा प्रवास कार्यक्रम का समापन नगर पालिका भ्रमण और आभार कार्यक्रम के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष का काफिला बडेवन से प्रारंभ होकर कटरा चुंगी, फौवारा चौराहा, रौता चौराहा, ब्राह्मण महासभा, रंजीत चौराहा, रोडवेज, पाण्डेय स्कूल, दक्षिण दरवाजा, मंगल बाजार, करुआ बाबा तिराहा, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल चौराहा, कटेश्वर पार्क, अग्रवाल पुस्तक भंडार, गांधीनगर, हनुमानगढ़ी, नार्मल स्कूल, शिव मंदिर, कम्पनी बाग, तिरंगा चौराहा और अटल चौराहे पर स्वागत के साथ संपन्न हुआ। इसके बाद अटल बिहारी प्रेक्षागृह में आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया। रौतापार चौराहे पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्र और सुभाष श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम सागर त्रिपाठी, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, पवन कसौधन, राम सिंगार ओझा, आनन्द सिंह कलहंस, अनिल सिंह ने संबोधित किया।

अटल बिहारी प्रेक्षागृह में आयोजित आभार समारोह में पूर्व सांसद असम राज्य के प्रभारी हरीश द्विवेदी ने जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे एक कर्मठ और लगनशील नेता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है और कार्यकर्ताओं का सम्मान और हित सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आगामी पंचायत चुनाव को गंभीरता से लेने और पार्टी की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीते छह दिनों से लगातार विधानसभा स्तर पर प्रवास कार्यक्रम चल रहा है और इस भीषण गर्मी में भी कार्यकर्ताओं का उत्साह अडिग बना रहा। उन्होंने कहा कि पार्टी और कार्यकर्ताओं के हितों की रक्षा उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान वे लगभग 70,000 कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि वे भाजपा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे और 2027 के विधानसभा चुनाव की सफलता की नींव बूथ स्तर पर मजबूती से रखी जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन अमृत कुमार वर्मा ने किया।

इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, प्रेम सागर त्रिपाठी, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, पवन कसौधन, अजय सिंह गौतम, अनिल सिंह, राम सिंगार ओझा, आनंद सिंह कलहंस, राकेश श्रीवास्तव, अनिल दुबे, अनूप खरे, अरविंद पाल, भानु प्रकाश मिश्र, जटाशंकर शुक्ल, अभिषेक कुमार, दुष्यंत सिंह, प्रमोद पाण्डेय, अंकुर वर्मा, गजेन्द्र सिंह, दुष्यंत विक्रम सिंह, पिंटू तिवारी, रघुनाथ सिंह, पुष्करादित्य सिंह, कृष्ण चन्द्र सिंह, अरविंद सिंह, प्रत्युष सिंह, अखंड प्रताप सिंह, आलोक पाण्डेय, सुभाष श्रीवास्तव, अभिनव उपाध्याय, अनिल पाण्डेय, राजकुमार शुक्ल, कुंदन वर्मा, सुरेंद्र सिंह, सुमन सिंह, कुंवर आनंद सिंह, वीरेन्द्र गौतम, रवि तिवारी, श्रुति अग्रहरी, मनीष चौबे, दिव्यांशु दुबे, विजयभान सिंह, धर्मेन्द्र जायसवाल, सर्वजीत भारती, कामेंद्र चौहान, सुजीत सोनी, सुनील त्रिपाठी, शिव चरन जायसवाल, गौरव मणि त्रिपाठी, दिलीप भट्ट, मनोज पाठक, लवकुश शुक्ल, राजेश कमलापुरी, अंकित पाण्डेय, दुर्गेश अग्रहरी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, संजय चौरसिया, गौरव अग्रवाल, तारक जायसवाल, रमेश गुप्ता, अमित गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, बब्लू शुक्ल, अरविंद चौधरी, आशीष शुक्ल, आदित्य शर्मा सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ई.एम.टी. डे के अवसर पर 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मियों को सी.एम.ओ द्वारा किया गया सम्मानित एवं प्रोत्साहित

साथ ही सभी 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मियों ने धूमधाम से मनाया ई.एम.टी. डे

बस्ती (संवाददाता)। बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में 108 एवं 102 एम्बुलेंस ई.एम.टी. डे के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राजीव निगम द्वारा 108 एवं 102 पर उत्कृष्ट काम करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ डॉक्टर एस.बी.सिंह उपस्थित रहे।

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव निगम द्वारा एंबुलेंस कर्मियों को उनके कार्य की सराहना और प्रशंसा की गई और उन्होंने यह भी बताया कि आप सभी इसी तरह लगन और समझदारी के साथ काम करते रहें। एम्बुलेंस की साफ सफाई,एंबुलेंस में उपलब्ध उपकरण के संचालन

,उपलब्ध दवाओं के उपयोग और प्राथमिक उपचार के बारे मे विशेष ध्यान देने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया।

प्रोग्राम मैनेजर बस्ती राजन विश्वकर्मा ने बताया कि ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के तरफ से 2 अप्रैल को ई.एम.टी. डे धूमधाम से मनाया जाता है तथा साथ ही आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज मैं सभी ईएमटी ने केक काटकर एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ईएमटी डे को धूमधाम से मनाया। सीएमओ बस्ती द्वारा इन सम्मानित कर्मचारियों का चयन जनपद स्तर में किए गए कार्य के आधार पर किया गया है। जिसमें समय से पहुंचकर घायल मरीज की सही देखभाल करते हुए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया एवं एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव कराया, कभी भी किसी मरीज के लिए एंबुलेंस ना पहुंचने के लिए मना नहीं किया। शिवम कुमार यादव, इंद्र कुमार,तेज प्रताप,राघवेंद्र सिंह, मनोज कुमार पाण्डेय,अखिलेश कुमार,सुषमा वर्मा, कुमारी प्रिया, श्रेया शुक्ला एवं मनीषा आदि ईएमटी को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रोग्राम मैनेजर राजन विश्वकर्मा, जिला एंबुलेंस कोऑर्डिनेटर आशीष,राधेश्याम मौजूद रहे।

बस्ती–डुमरियागंज मार्ग पर ट्रक पलटा, 7 घंटे तक यातायात बाधित, 6 किमी लंबा जाम लगा

बस्ती (संवाददाता)। बस्ती–डुमरियागंज मार्ग पर सोनहा थाना क्षेत्र के लौकी कोहड़ी गांव के पास एक बड़ा हादसा हुआ। बुधवार तड़के करीब तीन बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। ट्रक में मेरठ से टायर लदे हुए थे। चालक जाकिर शाह और खलासी गुलाम इसे पश्चिम बंगाल के मालदा ले जा रहे थे। लौकी गांव के पास ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया। एक अन्य ट्रक चालक ने शीशा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला। हादसे में चालक और खलासी को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद मौके पर पहुंचे। क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटाया गया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ करीब 6 किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई। यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए पुलिस ने रूट डायवर्ट किया। डुमरियागंज से बस्ती जाने वाले वाहनों को भानपुर से शिवाघाट और रुधौली की तरफ भेजा गया। वहीं बस्ती से डुमरियागंज जाने वाले वाहनों को देईपार चौकवा मार्ग से भेजा गया। करीब सात घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका।

एक रात में 8 घरों से चोरी, तीन गांवों से 54 लाख के नकदी–जेवरात ले गए

बस्ती (संवाददाता)। मुंडेरवा थाना क्षेत्र में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। 1 अप्रैल की रात को तिरकौलिया बरगाह, बरडाड चौराहा और बोदवल स्टेट में चोरों ने कई घरों और दुकानों को निशाना बनाया। चोर करीब 50 लाख रुपये के आभूषण और 4 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। तिरकौलिया बरगाह में चोरों ने छत के रास्ते घरों में प्रवेश किया। दुखीराम मद्धेशिया के यहां से 12 लाख, बाबूलाल के घर से 15 लाख, ह्रदयराम के घर से 10 लाख, श्यामनारायण के घर से 8 लाख और कृष्णा प्रजापति के घर से 10 लाख रुपये के सामान की चोरी की गई। मनोज प्रजापति के घर पर चोरों ने ताला तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हुए। बरडाड चौराहे पर श्यामसुंदर अग्रहरि के शराब ठेके से एक कैरेट शराब और 15 हजार रुपये चोरी हुए। पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र से एक लाख रुपये और तीन लैपटॉप गायब हो गए। बोदवल स्टेट में शैलेंद्र सिंह के घर से 3 हजार रुपये, एक मोबाइल और स्पीकर की चोरी हुई।

स्वामी प्रसाद मौर्य का विरोधबजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

बस्ती (संवाददाता)। जिले में अपना जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के आगमन पर बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। मौर्य बादशाह मैरिज हॉल में पिछड़ा–अति पिछड़ा सम्मेलन में शामिल होने आ रहे थे। बजरंग दल के नेता मनमोहन त्रिपाठी ने पहले ही वीडियो जारी कर मौर्य का विरोध करने की घोषणा की थी। त्रिपाठी का आरोप है कि मौर्य हिंदू देवी–देवताओं का अपमान करते हैं।

बिहार के राज्यपाल ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन

मथुरा 02 अप्रैल। बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान जी ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। सनश्योर एनर्जी द्वारा सी०एस०आर० के फंड से दो विद्यालयों का नवीनीकृत कार्य कराया गया है। सनश्योर एनर्जी, भारत के अग्रणी व्यवसायों के लिए पसंदीदा अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता है, जो हरित ऊर्जा में परिवर्तित हो रहे हैं। मथुरा के लोहवन में दो नए नवीनीकृत विद्यालयों, जिसमें राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन आज बिहार के महामहिम राज्यपाल जी ने किया। बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान जी ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिसमें श्री पूरन प्रकाश मा० विधायक बलदेव, श्री चंद्र प्रकाश सिंह डीएम, श्री शैलेश कुमार पांडेय डीआईजी

/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्रीमती निशा उप जिलाधिकारी सदर, श्री आदेश कुमार उप जिलाधिकारी महावन, श्री सुनील दत्त बेसिक शिक्षा अधिकारी और श्री दिनेश कुमार त्रिपाठी खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। सनश्योर एनर्जी के संस्थापक सीईओ और अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा और सह–संस्थापक तरुणवीर सिंह ने बिहार के महामहिम राज्यपाल जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और उनकी उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

महामहिम राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान जी ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संयंत्रों के आस–पास के समुदायों के समग्र विकास को भी उत्प्रेरित करती है। शिक्षा सबसे शक्तिशाली मार्ग है जिसके माध्यम से हम एक मजबूत, अधिक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। इन स्कूलों के नवीनीकरण में बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे नवीनीकरण, पुनर्निर्माण, छात्र–छात्राओं के लिए अलग–अलग शौचालयों के साथ बेहतर स्वच्छता सुविधाएँ, पीने के पानी के स्टेशन, आवश्यक कक्षा फर्नीचर आदि प्रदान किया गया है। सनश्योर एनर्जी कंपनी स्वास्थ्य, शिक्षा, सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।

सवा लाख लोगों से ठगी का मामला: तलाश रही थीं नौकरी, बन गईं ठग, कई और युवतियों के शामिल होने की आशंका

कानपुर (संवाददाता)। कानपुर में विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर सवा लाख लोगों से ठगी के मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार की गई युवतियों ने बताया कि वह खुद नौकरी.कॉम पर नौकरी की तलाश कर रही थीं। मगर समय के साथ खुद साइबर ठग बन बैठी। पुलिस गैंग के फरार 11 अन्य सदस्यों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। गैंग में कई अन्य युवतियों के शामिल होने की भी बात सामने आई है।

चकेरी में रह रहे पंजाब के विकास को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के मामले में क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने हरिओम पांडेय, अनुराग दीक्षित, आरिबा अंसारी और कीर्ति गुप्ता उर्फ स्नेहा को गिरफ्तार किया था। डीसीपी क्राइम एसएम कासिम आब्दी के बताया कि चमनगंज के भन्नानापुरवा निवासी आरिबा और किदवईनगर निवासी कीर्ति डेढ़ साल पहले नौकरी.कॉम पर हरिओम पांडेय के संपर्क में आई थी।

दोनों युवतियां हरिओम पांडेय के साथ जुड़ी रहीं

दोनों ने नौकरी के लिए अपना रिज्यूम हरिओम की फर्जी वेबसाइट पर एचआर को भेज दी थी। दोनों का प्रोफाइल देखने के बाद हरिओम पांडेय ने उन्हें 30 हजार

प्रतिमाह पर नौकरी दे दी थी। ठगी की जानकारी होने के बाद भी दोनों युवतियां हरिओम पांडेय के साथ जुड़ी रही और काम करती रही। क्राइम ब्रांच ने युवतियों से पूछा कि उन्होंने कितने लोगों से ठगी को अंजाम दिया है। इस पर वो बोली कि उन्हें गिनती याद नहीं है। उन्हें जो हरिओम करने को कहता था, वो लोग वही करते थे।

बदायूं के नंबर से विकास को आया था कॉल

पीड़ित विकास से जिस नंबर से जालसाज संपर्क में थे वो बदायूं के एक युवक के नाम पर निकला। पुलिस ने जब उससे संपर्क किया तो पता चला कि उसने थाने में मोबाइल गुम होने तहरीर दी थी। तीन से चार कंपनियों में इसी तरह से फर्जी नंबर पंजीकृत थे और उन्हीं में पैसे मंगाए जाते थे।

शहर की 11 और महिलाएं व युवतियां हैं ठगी में शामिल

पूछताछ में आरिबा और कीर्ति ने बताया कि उनकी तरह शहर की 11 और महिलाएं व युवतियां विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को ठगने के लिए कॉल करती हैं। उन्होंने मोबाइल नंबर भी क्राइम ब्रांच को दिए हैं। टीम ने जब मोबाइल नंबर की लोकेशन निकाली तो वह नंबर चमनगंज, बाबूपुरवा, किदवई नगर, ग्वालटोली, मेस्टन रोड समेत शहर के कई अन्य हिस्सों में सक्रिय मिले। मंगलवार की दोपहर सभी मोबाइल नंबर बंद मिले। मोबाइल नंबरों की जांच की गई तो पता चला कि सभी फर्जी तरीके से दूसरे प्रदेशों से जारी हुए हैं। क्राइम ब्रांच की एक टीम शातिरों के पास मिले अकाउंट नंबर के आधार पर विभिन्न बैंकों से डेटा एकत्रित करने में जुटी है।

सत्यापन और कॉल लेटर के नाम पर करते थे ठगी

गिरोह का सरगना हरिओम और अनुराग सबसे पहले रजिस्ट्रेशन का पैसा जमा कराते थे। इसके बाद वेरीफिकेशन के नाम पर 50 से 70 हजार रुपये, फिर ऑफर लेटर के नाम पर एक लाख रुपये तक वसूलते थे। रुपये लेने के बाद फिर आवेदक की कॉल रिसीव नहीं करते थे। सूत्रों ने बताया कि इन लोगों ने व्हॉट्सएप पर डिसएपियर का ऑप्शन लगा रखा था जिसके चलते कुछ समय बाद चैट स्वतः डिलीट हो जाती थी।

तीन चरण होता था काम

ठग तीन चरणों में काम करते थे। पहले चरण में गिरोह का सरगना हरिओम नौकरी. कॉम से विदेश जाने वालों का डाटा फोन करने वाली युवतियों को देता था। इसके बाद वह लोगों से बात करके झांसे में लेती थी। इसके एवज में उन्हें 10 हजार रुपये दिया जाता था। दूसरे चरण में कीर्ति और आरिबा बात करती थीं जो संबंधित कंपनी में जॉब का ऑफर देते हुए रजिस्ट्रेशन कराने को राजी करती थी। इसके एवज में उन्हें 30 हजार रुपये मिलते थे। तीसरे चरण में गिरोह का सरगना और उसका साथी अनुराग लोगों से बात करते रजिस्ट्रेशन, सत्यापन व ऑफर लेटर के नाम रुपये वसूलता था।

वक्फ अमेंडमेंट एक्ट मुस्लिम समाज के विकास में अहम कदम, इससे अब सही इस्तेमाल होगा : दानिश अंसारी

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ अमेंडमेंट एक्ट को लेकर लखनऊ में केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह कानून मुस्लिम समाज के हितों की रक्षा के लिए बेहद जरूरी है और इससे वक्फ संपत्तियों का सही इस्तेमाल सुनिश्चित होगा। राज्य मंत्री दानिश अंसारी ने कहा कि मोदी सरकार का स्पष्ट मत है कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग मुस्लिम समाज के भलाई के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, इन संपत्तियों पर चौरिटेबल हॉस्पिटल, स्कूल और स्टेडियम बनाए जाने चाहिए, जिससे गरीब पसमांदा मुसलमानों को शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधाएं मिलें और मुस्लिम खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। दानिश अंसारी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मुस्लिम समाज के विकास में रोड़ा अटका रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां कभी नहीं चाहती थीं कि मुसलमान तालीम और तरक्की की तरफ बढ़े। अंसारी ने यह भी कहा कि वक्फ अमेंडमेंट एक्ट के जरिए वक्फ संपत्तियों का ऑडिट और उचित प्रबंधन होगा, जिससे वक्फ बोर्ड की आमदनी बढ़ेगी और इसका सीधा लाभ मुस्लिम समाज के कल्याण के लिए मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस कानून का विरोध वही लोग कर रहे हैं, जिन्होंने वक्फ की संपत्तियों पर अवैध कब्जे कर रखे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार मुसलमानों के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है।चाहे मदरसा शिक्षा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना हो, मुस्लिम महिलाओं को ट्रिपल तलाक से मुक्ति दिलाना हो या अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाकों का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हो, हर मोर्चे पर सरकार सफल रही है, अंसारी ने कहा। अंसारी ने कहा कि यह बिल बहुत पहले आ जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने हमेशा इसे रोकने का काम किया। उन्होंने कहा,अगर सपा और कांग्रेस वास्तव में मुसलमानों की हितैषी होतीं, तो इस बिल का विरोध नहीं करतीं, बल्कि इसका समर्थन करतीं।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, बबूल के पेड़ से लटका मिला शव, गहने गायब

उरई/जालौन (संवाददाता)। जालौन के कोटरा थाना क्षेत्र के ग्राम नुनवई में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान कांति देवी के रूप में हुई है। वह मंगलवार की सुबह अपनी देवरानी खुशबू के साथ खेत में फसल काटने गई थी।

खुशबू शाम चार बजे अकेली घर लौटी। उसने बताया कि कांति देवी उसे खेत पर नहीं मिली। इसके बाद पति शिवराम पाल और परिजन खोजबीन के लिए निकले। शाम छह बजे कांति देवी का शव बबूल के पेड़ पर साड़ी और गमछे से लटका मिला। शिवराम पाल मजदूरी करके परिवार का भरण–पोषण करता है। उनका 18 वर्षीय बेटा अंशुल है और बेटी अंजू की शादी हो चुकी है। शिवराम का आरोप है कि यह हत्या का मामला है। उन्होंने बताया कि कांति के कान में पहने हुए वाले और नाक का सोने का फूल गायब हैं। कोटरा थाना प्रभारी निरीक्षक विमलेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने बताया कि हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों की तरफ से अभी कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जाएगी।

जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण, डीएम ने दी व्यवस्था सुधारने की हिदायत

उरई/जालौन (संवाददाता)। जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बुधवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पुरुष और महिला अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने आपातकालीन कक्ष, जनरल वार्ड, महिला वार्ड, दवा वितरण कक्ष और पैथोलॉजी लैब का दौरा किया। मरीजों से सीधी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। डीएम ने टोकन व्यवस्था के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाने को कहा। पैथोलॉजी लैब को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने के आदेश दिए। महिला अस्पताल की लैब को प्रथम तल से ग्राउंड फ्लोर पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। वॉटर कूलर बंद मिलने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि के आदेश दिए गए। अस्पताल में वॉटर कूलर, पंखे और एसी के सुचारू संचालन के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की तैनाती के निर्देश दिए। मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी आदेश दिया गया। इससे अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जा सकेगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र देव शर्मा, पुरुष सीएमएस आनंद उपाध्याय और महिला सीएमएस सुनीता बनौधा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वक्फ बिल संविधान के मूल ढांचे पर आक्रमण : गौरव गोगोई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक को सदन में पेश करते ही विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बोला ये संविधान की मूल भावना पर आक्रमण करने वाला बिल है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने किरेन रिजिजू के बयान पर आपत्ति जताते हुए अपनी बात शुरू की। उन्होंने मंत्री के बयान को गुमराह करने वाला बताया। उन्होंने इसे संविधान की मूल भावना पर आक्रमण करने वाला बिल बताया। गोगोई ने कहा, मंत्री ने 2013 में यूपीए सरकार के विषय में जो कहा, वह पूरा का पूरा मिसलीड करने वाला बयान है, झूठ है। इन्होंने जो आरोप लगाए हैं और भ्रम फैलाया है, वो बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, मेरा भी सौभाग्य है कि पिछले सदन में मैंने अयोध्या राम मंदिर पर अपनी पार्टी का पक्ष रखा। आज वक्फ बिल पर विपक्ष की तरफ से अपना पक्ष रख रहा हूं। दोनों मामलों में एक ही मार्गदर्शक भारत का संविधान है। हमारा

संविधान कहता है कि सभी को सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक न्याय और समानता मिले। यह बिल संविधान के मूल ढांचे पर आक्रमण है। मंत्री किरेन रिजिजू का पूरा भाषण संघीय ढांचे पर आक्रमण है। इसके साथ ही उन्होंने चार मकसद भी बताए। कहा, इस सरकार के चार मकसद हैं। संविधान को कमजोर करना, भ्रम फैलाना और अल्पसंख्यकों को बदनाम करना, भारतीय समाज को बांटना और चौथा मकसद अल्पसंख्यकों को डिसएन्फ्रेंचाइज करना। कुछ हफ्ते पहले देश में लोगों ने ईद की शुभकामनाएं दीं। इनकी डबल इंजन सरकार ने लोगों को सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने दी।

गौरव गोगोई ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा, ष्आज एक विशेष समाज की जमीन पर सरकार की नजर है, कल समाज के दूसरे अल्पसंख्यकों की जमीन पर इनकी नजर जाएगी। संशोधन की जरूरत है। मैं यह नहीं कहता कि संशोधन नहीं होना चाहिए। संशोधन ऐसा होना चाहिए कि बिल ताकतवर बने। इनके संशोधनों से समस्याएं और विवाद बढ़ेंगे। ये चाहते हैं कि देश के कोने–कोने में केस चले। ये देश में भाईचारे का वातावरण तोड़ना चाहते हैं। बोर्ड राज्य सरकार की अनुमति से कुछ नियम बना सकते हैं। ये पूरी तरह से उसे हटाना चाहते हैं। राज्य सरकार की पावर खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। नियम बनाने की ताकत राज्य सरकार को है। राज्य सरकार सर्वे कमिश्नर के पक्ष में नियम बना सकती है। आप सब हटाना चाहते हैं और कह रहे हैं कि ये संशोधन हैं। गोगोई ने बिल की वैधता पर प्रश्न उठाते हुए कहा, क्या अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने यह विधेयक बनाया है, या किसी और विभाग ने बनाया है? यह विधेयक कहां से आया? आज देश में अल्पसंख्यकों की हालत ऐसी हो गई है कि आज सरकार को उनके धर्म का प्रमाण पत्र देना पड़ेगा। क्या वे दूसरे धर्मों से प्रमाण पत्र मांगेंगे? सरकार धर्म के इस मामले में क्यों दखल दे रही है।

वक्फ बिल पर अनुराग ठाकुर बोले,यहां बाबासाहब का संविधान चलेगा, मुगलिया फरमान नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर हमला बोला है। अनुराग ने कटाक्ष करते हुए कहा कि, कांग्रेस के लोग हाथ में एक लाल किताब लेकर चलते हैं, जिसे वे संविधान कहते हैं, लेकिन इनकी नीतियां देश में दो विधान बनाने का काम करती हैं। अपनी बात को जारी रखते हुए मंत्री ने कहा कि, देश में ऐसे हालात बन गए थे कि वक्फ जिस पर हाथ रख दे, वही संपत्ति उनकी हो जाती थी। अब यह समय है कि आपको यह तय करना होगा कि आप वक्फ के साथ रहना चाहते हैं या बाबा साहब के संविधान के साथ। उन्होंने इस बिल को बाबासाहब के संविधान की जीत बताते हुए कहा, यह बिल यह साफ संदेश देता है कि इस देश में बाबासाहब का संविधान चलेगा, मुगलिया फरमान नहीं। अनुराग ठाकुर ने यह भी कहा कि यह बिल तुष्टिकरण की राजनीति का अंत करने वाला है।

दिल्ली सरकार के बजट पर आतिशी ने उठाया सवाल, कहा-वित्त विभाग के आदेश से हुआ बड़ा खुलासा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने भाजपा सरकार के बजट को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 1 लाख करोड़ के बजट का महज जुमला दिया है, लेकिन उनके ही अधिकारियों ने इस झूठ को बेनकाब कर दिया। आतिशी ने बताया कि 31 मार्च को दिल्ली सरकार के वित्त विभाग से जारी आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में कुल बजट का केवल 5 प्रतिशत खर्च करने की अनुमति दी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि अप्रैल महीने में सरकार केवल 5,000 करोड़ ही खर्च कर सकती है। इसी आधार पर पूरे साल में सरकार 60,000 करोड़ ही खर्च कर सकेगी। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार के पास खर्च करने के लिए पैसा ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का

बजट कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का यह बजट विधानसभा के इतिहास का सबसे झूठा बजट है। दिल्ली सरकार ने बजट पेश करते समय 1 लाख करोड़ का दावा किया, जबकि हकीकत में यह बजट मात्र 78,000 करोड़ का ही है। यहां तक कि भाजपा सरकार के वित्त विभाग ने खुद इस झूठे बजट को उजागर कर दिया है। आतिशी ने कहा कि जब सरकार के पास 60,000 करोड़ से अधिक का राजस्व ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का बजट पेश करना पूरी तरह से जुमलेबाजी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को गुमराह कर रही है और झूठे आंकड़ों के सहारे अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। 31 मार्च को जारी वित्त विभाग के आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में बजट का मात्र 5 प्रतिशत खर्च करने की इजाजत दी गई है। अगर इसे साल भर के हिसाब से देखें, तो कुल खर्च 60,000 करोड़ तक ही सीमित रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे यह साफ हो जाता है कि दिल्ली सरकार के पास 60,000 करोड़ से ज्यादा खर्च करने की क्षमता नहीं है। ऐसे में 1 लाख करोड़ के बजट की घोषणा पूरी तरह से हवा–हवाई साबित होती है।

सूफी गायक हंसराज हंस की पत्नी रेशम कौर का निधन, संगीत जगत में शोक की लहर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रसिद्ध सूफी गायक और राजनेता हंसराज हंस की पत्नी रेशम कौर का निधन हो गया है। वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं और हाल ही में हृदय संबंधी समस्याओं के कारण उनका इलाज भी चल रहा था। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले दिल की बीमारी के चलते उन्हें स्टेंट लगवाना पड़ा था। करीब 60 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। रेशम कौर के निधन की खबर से न केवल उनका परिवार बल्कि संगीत और राजनीतिक जगत में भी शोक की लहर है। हंसराज हंस, जो पंजाबी लोक और सूफी संगीत के प्रसिद्ध गायक हैं, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सदस्य भी हैं और दिल्ली से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। हंसराज हंस को उनकी पंजाबी लोक, सूफी और बॉलीवुड की गायकी के लिए जाना जाता है। उन्होंने कई हिट पंजाबी–पॉप एल्बम भी जारी किए हैं और अपने शानदार करियर के दौरान कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें पद्मश्री सम्मान भी शामिल है। इसके अलावा, वह नकोदर स्थित लाल बादशाह दरगाह के गद्दीशीन भी हैं।रेशम कौर के निधन से उनके परिवार और चाहने वालों को भारी क्षति हुई है। उनके अंतिम संस्कार में परिवार, करीबी दोस्त और कई प्रसिद्ध हस्तियां शामिल हो सकती हैं।

देश धर्मशाला नहीं, तो जेल भी नहीं है : संजय राउत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल (आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक)–2025 को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को सदन के समक्ष विचार के लिए रखा। विधेयक पर बोलते हुए शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने कहा कि देश को धर्मशाला बनाना किसी का मकसद नहीं है, लेकिन अगर यह देश धर्मशाला नहीं है तो यह देश जेल भी नहीं है। बीते 10 साल से देश के लोगों को एक तरह से जेल में रखा गया है। अब जो विदेश से लोग आएंगे, वह भी वैध वीजा और पासपोर्ट पर, यह कानून उन्हें भी शायद जेल में रखना चाहता है। संजय राउत ने कहा कि जिस तरह से इस विधेयक में बहुत से प्रावधान हैं, उससे धीरे–धीरे टूरिस्ट भी भारत में आना बंद करेंगे। हम नहीं चाहते कि कोई भी देश में अवैध तरीके से रहे, चाहे वह बांग्लादेशी हो, रोहिंग्या हो, या फिर अमेरिकन और यूरोपियन। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों को सेना

के विमान में हाथों–पैरों में बेड़िया लगाकर वापस भेजा। यदि कोई अमेरिकी भारत में अवैध तरीके से रह रहा हो, तो उसे भी इसी तरह से बेड़िया लगाकर वापस भेजा जाए। पूरे देश में तीन करोड़ से ज्यादा बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं, उन्हें निकालना जरूरी है। यह मुहिम सबसे पहले मुंबई में हमने शुरू की थी। इस विधेयक का सेक्शन 7 यह कहता है कि जो विदेशी यहां आएगा, केंद्र सरकार यह तय करेगी कि वह किस होटल में ठहरेगा, कहां घूमेगा, कहां जाएगा। राउत ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया यह विधेयक ऐसा है, जिसके तहत यदि कोई विदेशी डेलिगेशन, जर्नलिस्ट या डिप्लोमेट भारत आता है और वह देश में किसी प्रमुख नेता से मिलना चाहता है, सोनिया गांधी से, राहुल गांधी से, उद्धव ठाकरे से मिलना चाहता है, तो सरकार से अनुमति लेनी पड़ेगी। यदि सरकार अनुमति देती है, तो मुलाकात कर सकेंगे और यदि अनुमति नहीं मिली, तो यह मुलाकात नहीं हो सकेगी।

उन्होंने सदन में कहा कि देश में जो आतंकवादी आए हैं, वे किसी वैध पासपोर्ट पर नहीं आए हैं। कसाब किसी वैध पासपोर्ट पर नहीं आया था। कसाब और उसके साथ जो टेररिस्ट आए थे, वे समुद्र मार्ग से अवैध तरीके से आए और किसी को पता भी नहीं चला। कानून को यदि आप मजबूत करना चाहते हैं, तो कीजिए, लेकिन इस विधेयक को स्थाई समिति के पास वापस भेजकर इस पर चर्चा की जानी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि पुराने आव्रजन कानूनों के तहत देश की सीमाओं की रक्षा करने में, देश में घुसपैठ को रोकने में काफी बाधाएं आती थीं। देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। नए विधेयक में प्रमुख रूप से भारत में प्रवेश, प्रवास के लिए यात्रा दस्तावेज, वैध वीजा की अनिवार्य आवश्यकता, प्रवेश से इनकार आदि विधेयक का एक हिस्सा हैं। भारत को चिकित्सा, शैक्षणिक और विनिर्माण गतिविधियों का केंद्र बनाने, सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु, सही उद्देश्य के लिए विदेशियों की भारत यात्रा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखने की आवश्यकता है। इसका प्रावधान इस विधेयक में किया गया है। भारत ने 169 देशों के नागरिकों के लिए ई–वीजा की शुरुआत की है। इस संबंध में आवश्यक है कि अधिकारियों को विदेश से आ रहे लोगों के दस्तावेज की जांच करने का अधिकार दिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा या संप्रभुता को खतरा होने पर अधिकारियों को अधिकार दिया गया है कि वे विदेशियों को देश में प्रवेश से वंचित कर सकें।

भूकंप के तेज झटकों से कांपी पाकिस्तान की धरती, लोगों के दहशत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दुनिया भर में भूकंप के झटकों का सिलसिला जारी है। म्यांमार और थाईलैंड में तबाही मचाने के बाद अब पाकिस्तान में भी धरती कांप उठी। (2 अप्रैल) तड़के बलूचिस्तान में 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, इस आपदा में किसी तरह के जान–माल के नुकसान की खबर नहीं है लेकिन लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के झटकों के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और दहशत का माहौल बन गया।

ईसा शेख
(महाराष्ट्र हेड)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

वेद पाल पांचाल
(रिपोर्टर)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

पुनीत गुप्ता
(उत्तर भारत हेड)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

आशा शुक्ला
(उत्तराखंड हेड)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशबासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

10.वीर सावरकर ब्लॉक शर्मा कॉम्प्लेक्स शकर पुर दिल्ली 110092
Email : redrosenews.24seven@gmail.com

बलजीत सिंह
(हरियाना हेड)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

गे सुल हसन
(रिपोर्टर दिल्ली)
रेड रोज न्यूज़ की तरफ से सभी देशवासियो को राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

कुलदीप गोस्वामी
(गोस्वामी टेलीकाम दिल्ली)
राम नवमी और महावीर जयंती, हनुमान जन्म उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक विश्वजीत शर्मा ने वंदना ऑफसेट प्रिंटर्स ए-9, सराय पीपलथला एक्स, दिल्ली - 110033 से छपवाकर जे-852, प्रथम तल, जहांगीरपुरी, दिल्ली-110033 से प्रकाशित किया।
सम्पादक: महेश चंद्र redrosenews.24seven@gmail.com Regd. RNI No : DELHIN/2007/21149
MO : 9717921531 || कोई भी कानूनी वाद-विवाद दिल्ली न्यायालय में तय होगा ||